भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4308
26.03.2025 को उत्तर देने के लिए

डेटा संग्रहण में एआई और एमएल का उपयोग

4308. श्री देवेश शाक्यः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार आंकड़ों के संग्रहण और विश्लेषण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) में बिग डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल) और ब्लॉक चेन जैसी प्रौद्योगिकियों का अनुप्रयोग कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का सकल घरेलू उत्पाद, बेरोजगारी, औद्योगिक उत्पादन जैसे संकेतकों की समय पर निगरानी के लिए डिजिटल सेंसर और स्वचालित डेटा विश्लेषण स्थापित करने हेतु कोई योजना आरंभ करने का विचार है और यदि हां, तो इसकी वर्तमान स्थिति क्या है और इसके लिए क्या कार्य योजना है;

(ग) क्या सरकार मंत्रालय द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के संबंध में पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए ब्लॉक चेन-आधारित डेटा प्रबंधन प्रणाली अपनाने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो इसके तौर-तरीकों का ब्यौरा क्या है और इसकी अनुमानित समय-सीमा क्या है; और

(घ) क्या सरकार राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली को वैश्विक मानकों के अनुरूप लाने के लिए डेटा वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों का एक कृतिक बल गठित कर रही है और यदि हां, तो इस प्रयोजनार्थ क्या कार्य योजना तैयार की गई है/की जाएगी?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री [राव इंद्रजीत सिंह]

(क): जी, हां। यह मंत्रालय आंकड़ों के संग्रहण और विश्लेषण को सुविधाजनक बनाने के लिए एआई आधारित अनुप्रयोग कर रही है। एआई आधारित उपकरणों को त्वरित और कुशल रूप से आंकड़ा/सूचना की अभिगम्यता में हितधारियों की सहायता के लिए डिजाइन किया गया है।

(ख) और (ग): जी, नहीं। अभी ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(घ): जी, हां। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) संबंधी स्थायी समिति का गठन सरकार के भीतर और बाहर दोनों के विशेषज्ञों को शामिल करके किया गया है जिसे सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित मामलों पर सिफारिशें देने का अधिदेश दिया गया है।

*****